जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

के

स्नातक कक्षाओं हेतु निर्धारित

संस्कृत विषय की पाठ्यक्रम विवरणिका

सत्र : २०१८ -२०१९

संस्कृत विभाग

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

सत्र 2018 –19 से लागू

बी.ए. प्रथम वर्ष / संस्कृत / प्रथम प्रश्नपत्र

(नाटक, छन्द एवं अलङ्कार)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1. प्राथमिक रूप से संस्कृत साहित्य का ज्ञान-बोध कराना।
2. अभिनय के चारों तत्त्वों (वाचिक, आङ्गिक, आहार्य एवं सात्विक) से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
3. सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के भावात्मक अर्थों का बोध कराना।
4. संस्कृत साहित्य के रचनाकार एवं उनके द्वारा प्रणीत ग्रन्थों के विषय में संक्षिप्त परिचय कराना।
5. काव्य में प्रयुक्त छन्द एवं अलङ्कारों के प्रयोग का ज्ञान कराना।
6. पद्य की छन्दोमयता का परिज्ञान कराना।

इकाई 01. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से तृतीय अङ्क तक) 25

इकाई 02. (क) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ से सप्तम अङ्क तक) 25

(ख) नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्द 10

(सूत्रधार, नान्दी, प्रस्तावना, विष्कम्भक, प्रवेशक, जनान्तिक, अपवारित, आकाशभाषित, विदूषक, पताका, प्रकरी, भरतवाक्य)

इकाई 03. छन्द (छन्दोमंजरी से) 20

(अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, भुजङ्गप्रयात, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा, आर्या)

इकाई 04. अलङ्कार (साहित्यदर्पण से) 20

(वृत्त्यनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, स्वभावोक्ति, अर्थान्तरन्यास, दीपक, तुल्ययोगिता, प्रतिवस्तूपमा, अनन्वय, अप्रस्तुतप्रशंसा, समासोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह, भ्रान्तिमान)

निर्देश : *सभी इकाइयों से सम्बन्धित यह प्रश्नपत्र पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ रहेगा। प्रत्येक प्रश्न एक अङ्क का होगा।*

सहायक ग्रन्थ :

1. द्विवेदी, पद्मश्री पं0 कपिलदेव, (2017) *अभिज्ञानशाकुन्तलम्,* रामनारायणलाल विजयकुमार, कटरा रोड, इलाहाबाद।
2. मालवीय, डॉ. सुधाकर, (2011) *अभिज्ञानशाकुन्तलम्,* चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
3. त्रिपाठी, ब्रह्मानन्द, (2004) *छन्दोमंजरी,* चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. शास्त्री, साहित्याचार्य शालिग्राम, (2016) *साहित्यदर्पणः,* मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

बी.ए. प्रथम वर्ष / संस्कृत / द्वितीय प्रश्नपत्र

(काव्य एवं व्याकरण)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1. संस्कृत पद्यों की गीतात्मकता का परिचय कराना।
2. नवीन एवं क्लिष्ट पदों की बोधगम्यता हेतु शब्द कोश का परिज्ञान।
3. काव्य के भेदों से छात्रों को परिचित कराना।
4. नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष हेतु ज्ञान साहित्य-अध्ययन से देश, राष्ट्र, व्यक्ति एवं मानव जाति के प्रति प्रेम का उदात्तीकरण कराना ।
5. वैयक्तिक एवं सामाजिक कल्याणपरक उपदेशों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
6. छात्रों को कर्तव्याकर्तव्य का बोध कराना।
7. व्याकरण के तत्त्वों- माहेश्वर सूत्र, उपसर्ग, प्रकृति-प्रत्यय, स्थान, प्रयत्न, प्रत्याहार, सन्धि इत्यादि का ज्ञान कराना।
8. संस्कृत में अनुवाद-कौशल का विकास कराना।

इकाई 01. कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) 30

इकाई 02. नीतिशतकम् (श्लोक 01 से 50 तक) 20

इकाई 03. लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा प्रकरण एवं सन्धि प्रकरण) 40

इकाई 04. कारकाश्रित हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद 10

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. मिश्र, देवनारायण, (2007) *कुमारसम्भवम्* (प्रथम सर्ग), साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
2. द्विवेदी, रेवाप्रसाद, (2007) *कुमारसम्भवम्,* सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
3. यादव, बलवान सिंह, (2008) *नीतिशतकम्,* चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी।
4. सनाढ्य, डॉ. देवर्षि, (2003) *नीतिशतकम्,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. शास्त्री, श्रीधरानन्द, (2016) *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
6. शास्त्री, भीमसेन (2015) *लघुसिद्धान्तकौमुदी* (प्रथम भाग), भैमी प्रकाशन, लाजपतराय मार्केट, दिल्ली।
7. द्विवेदी, पद्मश्री पं0 कपिलदेव, (2018) *प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

सत्र 2019 –20 से लागू

बी.ए. द्वितीय वर्ष / संस्कृत / प्रथम प्रश्नपत्र

(वेद एवं उपनिषद्)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1. वैदिक साहित्य एवं वैदिक संस्कृति का ज्ञान प्रदान कराना।
2. उपनिषद् का परिचय एवं निहित उपदेशों का ज्ञान कराना।
3. संहिता, सूक्त, ऋषि तथा देवता के परिचय के साथ ही साथ वैदिक मन्त्रों के उदात्त, अनुदात्त एवं स्वरित का ज्ञान कराना।
4. वेद में देवपरक स्तुतियों एवं प्रार्थनाओं में निहित भावों का बोध कराना।
5. सूक्तों में वर्णित सामाजिक, भौतिक एवं आध्यात्मिक भावों का बोध कराना।
6. औपनिषदिक कर्म, संयम, भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
7. वैदिक सन्देशों को आचरण में लाने की क्षमता कराना ।

इकाई 01. वैदिक सूक्त- 50

(ऋग्वेद से) अग्नि सूक्त 1.1, विष्णु सूक्त 1.154, पुरुष सूक्त 10.90, इन्द्र सूक्त 2.12

इकाई 02. (यजुर्वेद से) शिवसङ्कल्प सूक्त (यजु. अ. 34 का 1-6 मन्त्र)

(अथर्ववेद से) पृथिवी सूक्त (अ. 12 का 1-10 मन्त्र)

इकाई 03. कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय) 35

इकाई 04. चारों वैदिक संहिताओं का परिचय, रचनाकाल एवं प्रमुख उपनिषद् ग्रन्थों का परिचय।15

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. त्रिपाठी, विश्वम्भरनाथ, (2017) *वेदचयनम्,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. पाठक, डॉ. जमुना (2016) *नवीन वैदिक सञ्चयनम्* (प्रथम भाग), चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
3. पाण्डेय, राजमणि (2013) *कठोपनिषद्,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. गोयन्दका, हरिकृष्णदास, (2017) *ईशादि नौ उपनिषद्,* गीताप्रेस गोरखपुर।
5. उपाध्याय, पद्मभूषण आ0 बलदेव, (2006) *वैदिक साहित्य और संस्कृति,* शारदा संस्थान दुर्गाकुण्ड, वाराणसी।

बी.ए. द्वितीय वर्ष / संस्कृत / द्वितीय प्रश्नपत्र

(काव्य, व्याकरण एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1. नवीन एवं क्लिष्ट पदों की बोधगम्यता हेतु शब्द कोश का परिज्ञान।
2. व्याकरण के तत्त्व- कारक, विभक्ति एवं समास इत्यादि का ज्ञान कराना।
3. संस्कृत साहित्य के रचनाकार एवं उनके द्वारा प्रणीत ग्रन्थों के विषय में संक्षिप्त परिचय कराना।
4. साहित्य की रचनाओं एवं रचनाकरों को सूचीबद्ध करने की क्षमता उत्पन्न करना।

इकाई 01. शुकनासोपदेशः (महाकवि बाणभट्ट) 35

इकाई 02. लघुसिद्धान्तकौमुदी (विभक्त्यर्थ एवं समास प्रकरण) 35

इकाई 03. वाल्मीकिरामायण एवं महाभारत 15

इकाई 04. भारवि, माघ, श्रीहर्ष, बाणभट्ट, दण्डी, भास, कालिदास, विशाखदत्त, शूद्रक, भट्टनारायण, भवभूति की कृतियों का सामान्य परिचय। 15

निर्देश : *सभी इकाइयों से सम्बन्धित यह प्रश्नपत्र पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ रहेगा। प्रत्येक प्रश्न एक अङ्क का होगा।*

सहायक ग्रन्थ :

1. झा, डॉ. रमेश कुमार, (2005) *शुकनासोपदेशः,* प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
2. शास्त्री, श्रीधरानन्द, (2016) *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
3. शास्त्री, भीमसेन (2015) *लघुसिद्धान्तकौमुदी* (चतुर्थ भाग), भैमी प्रकाशन, लाजपतराय मार्केट, दिल्ली।
4. उपाध्याय, पद्मभूषण आ0 बलदेव, (2006) *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* शारदा निकेतन सिगरा, वाराणसी।
5. द्विवेदी, पद्मश्री पं0 कपिलदेव, (2016) *संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास,* रामनारायणलाल विजयकुमार, कटरा रोड, इलाहाबाद।

सत्र 2020 –21 से लागू

बी.ए. तृतीय वर्ष / संस्कृत / प्रथम प्रश्नपत्र

(काव्य एवं काव्यशास्त्र)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1. साहित्य के भाव एवं कला पक्ष से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2. पद्य की छन्दोमयता का परिज्ञान।
3. संस्कृत पद्यों की गीतात्मकता का परिचय कराना।
4. साहित्य शास्त्रीय तत्त्वों से विद्यार्थियों को परिचित करना।
5. काव्य विधा के शास्त्रीय पक्षों के साथ संयोजित करने की क्षमता का विकास।
6. साहित्य शास्त्र के भावपक्ष के अवगमन की क्षमता का विकास।
7. काव्यशास्त्रीय ज्ञान के आधार पर रचनात्मक क्षमता उत्पन्न करना।

इकाई 01. शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) 30

इकाई 02. शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास) 30

इकाई 03. साहित्यदर्पणः (प्रथम परिच्छेद) काव्यप्रयोजन एवं काव्यलक्षण 20

इकाई 04. साहित्यदर्पणः (द्वि. परिच्छेद एवं तृ. परिच्छेद) शब्दशक्तियाँ तथा विभावादि परिचय 20

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. रटाटे, डॉ. जनार्दन गङ्गाधर, (2013) *शिशुपालवधम्* (प्रथम सर्ग), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. मिश्र, डॉ. रमाशंकर, (2014) *शिवराजविजयः* (प्रथम निःश्वास), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. शास्त्री, साहित्याचार्य शालिग्राम, (2016) *साहित्यदर्पणः,* मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
4. रेग्मी, आचार्य शेषराजशर्मा, (2019) *साहित्यदर्पणः,* चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।

बी.ए. तृतीय वर्ष / संस्कृत / द्वितीय प्रश्नपत्र

(व्याकरण, भाषाविज्ञान एवं निबन्ध)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1. व्याकरण के तत्त्वों- कृदन्त एवं तद्धित प्रत्ययों इत्यादि का ज्ञान कराना।
2. वर्णोच्चारण की शुद्धता का परिज्ञान कराना।
3. विद्यार्थियों में भाषाविज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न कराना।
4. विद्यार्थियों में निबन्ध-लेखन की क्षमता उत्पन्न करना।
5. संस्कृत में निबन्ध लेखन के माध्यम से संस्कृत भाषा में वाक्य-विन्यास कौशल का विकास करना।
6. पत्र-लेखन, संवाद-लेखन तथा सम्भाषण की योग्यता प्रदान करना।

इकाई 01. लघुसिद्धान्तकौमुदी (कृदन्त प्रकरण- पूर्व एवं उत्तर) 30

इकाई 02. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तद्धित प्रकरण- अपत्याधिकार एवं शैषिक) एवं स्त्री प्रत्यय 30

इकाई 03. भाषाविज्ञान (भाषा की उत्पत्ति, परिभाषा, परिवर्तन (कारण एवं दिशाएँ), वैदिक संस्कृत तथा लौकिक संस्कृत में अन्तर। 30

इकाई 04. संस्कृत में निबन्ध लेखन। **10**

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. शास्त्री, श्रीधरानन्द, (2016) *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
2. शास्त्री, भीमसेन (2015) *लघुसिद्धान्तकौमुदी* (तृतीय भाग), भैमी प्रकाशन, लाजपतराय मार्केट, दिल्ली।
3. द्विवेदी, पद्मश्री पं0 कपिलदेव, (2016) *भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. तिवारी, डॉ. भोलानाथ, (2019) *भाषाविज्ञान,* किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद।

बी.ए. तृतीय वर्ष / संस्कृत / तृतीय प्रश्नपत्र

(भारतीय दर्शन)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1. भारतीय दार्शनिक तत्त्वों के चिन्तन हेतु छात्रों को प्रेरित करना।
2. विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता का विकास करना।
3. दार्शनिक तत्त्वों में छिपे रहस्य-बोध की क्षमता का विकास।
4. मानव कल्याणार्थ दार्शनिक तत्त्वों के प्रयोग हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करना।
5. भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में लाने के लिए प्रेरित करना।
6. दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याण परक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा।

इकाई 01. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) 25

इकाई 02. श्रीमद्भगवद्गीता (तृतीय एवं नवम अध्याय) 25

इकाई 03. ईशावास्योपनिषद् 20

इकाई 04. तर्कसङ्ग्रहः (प्रारम्भ से अनुमान तक) 30

निर्देश : *सभी इकाइयों से सम्बन्धित यह प्रश्नपत्र पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ रहेगा। प्रत्येक प्रश्न एक अङ्क का होगा।*

सहायक ग्रन्थ :

1. गुप्त, डॉ. शिव शंकर, (2005) *श्रीमद्भगवद्गीता* (द्वितीय एवं तृतीय अध्याय), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. गुप्त, डॉ. शिव शंकर, (2005) *श्रीमद्भगवद्गीता* (नवम अध्याय), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. गोयन्दका, हरिकृष्णदास, (2019) *श्रीमद्भगवद्गीता,* गीताप्रेस गोरखपुर।
4. जायसवाल, डॉ. सुनीता, (2005) *ईशावास्योपनिषद्,* साहित्य सहचर प्रकाशन, वाराणसी।
5. वात्स्यायन, रामभजन शर्मा, (2008) *तर्कसङ्ग्रहः,* चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।